



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, मंगलवार, 15 जुलाई, 2003 24 आषाढ़, 1925

हिमाचल प्रदेश सरकार

कार्यालय उपायुक्त, मण्डी, जिला मण्डी (हि० प्र०)

अधिसूचना

मण्डी, 26 जून, 2003

क्रमांक पी० सी० एन० एम० एन० डी०/2003-292-312.—हिमाचल प्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग, शिमला द्वारा जारी पत्र संख्या एस० ई० सी० 16-18/98-IV-506-18, दिनांक 14-5-03 के अन्तर्गत पंचायती राज संस्थाओं के दिनांक 30-3-2003 तक रिक्त हुये पदों के उपा-चुनाव का कार्यक्रम निर्धारित किया गया था। निर्धारित कार्यक्रम अनुसार उपा-चुनाव दिनांक 22-6-2003 का सम्पन्न हो चुके हैं। निम्नलिखित निर्वाचित/निर्वाचित पंचायत पदाधिकारियों के परिणाम विहित प्रपत्र पर सम्बन्धित अधिकारियों से प्राप्त हो चुके हैं।

अतः मैं, जे० पी० सिंह (भा० प्र० से०), उपायुक्त, मण्डी, जिला मण्डी, हि० प्र०, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 126 के अनुसार जिला मण्डी के उन पंचायती राज संस्थाओं के निविरोध निर्वाचन/निर्वाचित पंचायत समितियों के सदस्यों, ग्राम पंचायत के प्रधानों, उपा-प्रधानों तथा पंचों के नाम व पते विकास खण्ड-वार सन्दर्भ सारणी अनुसार शेष अधि के लिये जन साधारण की जानकारी के लिए अधिसूचना/प्रकाशित करता हूँ।

जे० पी० सिंह,

उपायुक्त,

मण्डी, जिला मण्डी (हि० प्र०)।

पंचायती राज संस्थाओं के उप-चुनाव मास जून 2003 प्रपत्र में नव निर्वाचित पंचायत समिति के सदस्यों, प्रधानों, उप-प्रधानों तथा पंचों (सदस्यों) की विकास खण्ड-वार सूची

क्र० सं०	विकास खण्ड का नाम	पंचायत समिति सदस्य का नाम व पता तथा निर्वाचन क्षेत्र की सं० व नाम	थान पंचायत का नाम	निर्वाचित प्रधान का नाम व पता	निर्वाचित उप-प्रधान का नाम व पता	निर्वाचित पंच का नाम व पता तथा निर्वाचन क्षेत्र की सं० व नाम
1	2	3	4	5	6	7
1.	गोहर	शिल्हणु बार्ड नं०-II, श्रीमती सीता देवी पत्नी श्री करतार सिंह, गांव व डाकघर बार्ड, तहसील चच्छोट, जिला मण्डी (हि० प्र०) ।	—	—	—	—
2.	गोहर	श्री तेज सिंह पुत्र श्री चुहड़ा राम, गांव खन्दौली, डाकघर जाछ तहसील चच्छोट, जिला मण्डी, खिस्ती बार्ड नं०-8.	—	—	—	—
3.	गोहर	—	शिल्हणु	—	—	श्रीमती चन्द्रावती पत्नी श्री चमन लाल गांव व डाकघर शिल्हणु. बार्ड पंच 3-डमोला ।
4.	गोहर	—	जहल	—	—	श्रीमती दयावती पुत्री श्री नरपत राम, गांव व डाकघर जहल, तह० चच्छोट जिला मण्डी, जहल बार्ड नं०-2.
5.	गोहर	—	घरोट	—	—	श्री रेवन सिंह पुत्र श्री दुहलु गांव मुराहा, डाकघर बरोहकड़ी, उप तहसील निहरी, जिला मण्डी (हि० प्र०) घरोट बार्ड नं० चमडार ।
6.	करसोग	—	पांगणा	—	—	श्री गीता राम पुत्र श्री धनी राम, गांव बटुना, डाकघर पांगणी, तहसील करसोग, जिला मण्डी (हि० प्र०) बार्ड नं०-6 धाव ।

7.	सदर मण्डी	—	नागधारा	श्री होशियार सिंह पुत्र श्री नागेन्द्र पाल, गांव हटौण, डा0 शिवा, त0 सदर जिला मण्डी (हि0 प्र0)।	—	
8.	सदर मण्डी	—	—	—	—	श्रीमती रजनी देवी पत्नी श्री भावे राम, गांव हटौण, डाकबर शिवा, तहसील सदर मण्डी। सदस्य वार्ड नं0-3 हटौण।
9.	सदर मण्डी	—	टाण्डू	—	—	श्रीमती इन्दरा देवी पत्नी श्री रमेश कुमार गांव पावारी, डा0 टाण्डू, तहसील सदर मण्डी। वार्ड नं0 7 पावारी।
10.	सदर मण्डी	—	सदयाणा	—	—	श्रीमती जीवनी देवी पत्नी श्री मस्त राम, गांव पपराहल, डा0 सदयाणा, त0 सदर, जिला मण्डी। वार्ड नं0 6 पपराहल।
11.	सदर मण्डी	—	बाडी गुम्मानु	—	—	हुकम चन्द पुत्र श्री सेवक राम, गांव भलेड (ठाम्बा), डा0 तरतोह, तहसील सदर मण्डी। वार्ड नं-1 भलेड।
12.	गोपालपुर	—	चौक	श्रीमती सत्या देवी पत्नी श्री तुलसी राम, गांव व डा0 चौक, त0 सरकाघाट, जिला मण्डी	—	—
13.	गोपालपुर	—	गोपालपुर	—	—	श्री यज्ञशाल पुत्र श्री बलवीर सिंह राव गांव व डा0 गोपालपुर, त0 सरकाघाट, जिला मण्डी (हि0 प्र0) वार्ड नं0-9 गोपालपुर।

1	2	3	4	5	6	7
14.	गोपालपुर	—	चौक	—	—	श्री नारायण सिंह पुत्र श्री मल्ल राम, गांव करइवाण, डा0 चौक, तहसील सरकाघाट। वार्ड नं0 7 करइवाण।
15.	गोपालपुर	—	समैला	—	—	श्री दिलवर पुत्र श्री राम सरन गांव व डा0 वच्छवाण, तहसील सरकाघाट, जिला मण्डी। वार्ड नं0-1 वच्छवाण।
16.	गोपालपुर	—	गौन्टा	—	—	श्रीमती शीला देवी पत्नी श्री जगदीश चन्द गांव अपर पहलवान डा0 जगती, तहसील सरकाघाट, जिला मण्डी। वार्ड नं0-3 पहलवान।
17.	चौतड़ा	—	टिकरी मुशहरा	—	श्री अजय कुमार पुत्र श्री डोनी गांव टिकरी मुशहरा, डा0 चौतड़ा, त0 जो0 नगर	—
18.	चौतड़ा	—	कोलग	—	—	श्रीमती रिना देवी, पत्नी श्री अनिल कुमार, गांव डुहग, डा0 कोलग, तहसील जोगिन्दरनगर। वार्ड नं0-2 ममौड।
19.	चौतड़ा	—	तुलाह	—	—	श्री कश्मीर सिंह पुत्र श्री जय सिंह गांव वसनोड, डा0 तुलाह तहसील लडभडोग, जिला मण्डी, वार्ड नं0 3 वैरा।
20.	सराज	—	सुनाह लम्बाथाच	—	—	श्री गोकल चन्द पुत्र श्री देवी चन्द, गांव तेह, डा0 लम्बाथाच,

					तहसील थुनाग, जिला मण्डी । वार्ड नं०-७, लेह ।
21.	बल्ह	—	बग्गी	—	श्री जीवन राम पुत्र श्री देवी राम गांव मरेड, डा० बग्गी, तहसील सदर मण्डी । वार्ड नं०-३ बग्गी III.
22.	द्रंग	—	नेरघरवासड़ा	प्रधान पद श्री विनोद कुमार गांव कुनडूनी डा० वस्सी, त० जोगिन्दरनगर ।	—
23.	द्रंग	—	बथेरी	—	सदस्य श्रीमती विनता देवी पत्नी श्री जगदीश चन्द, गांव ठाह, डा० बथेरी, तह० पघर, जिला मण्डी, वार्ड नं०-५ अलगण ।
24.	द्रंग	—	नोडली	—	उप-प्रधान श्री अजीत सिंह पुत्र श्री लाल सिंह, गांव बदेहड़, डा० नौहली, त० जो० नगर जिला मण्डी (हि० प्र०)
25.	धर्मपुर	—	ग्राम पं० वैरी	—	उप-प्रधान पद श्री बलदेव पुत्र श्री हरी दास, गांव कालगी, डा० कोठवा, तहसील सरका- घाट, जिला मण्डी ।
26.	धर्मपुर	—	गरौडू/ गदीधार	—	प्रेमी देवी पत्नी श्री दलेल, गांव रोपड़ी वगपाका, डा० गरौडू, तहसील सरकाघाट । वार्ड नं०-५ रोपड़ी वगपाल ।

1	2	3	3	5	6	7
27.	धर्मपुर	—	धलारा		—	श्री सुरेन्द्र कुमार पुत्र श्री कांशी राम, गांव मेह, डा0 धलारा, त0 सरकाघाट, जिला मण्डी। वार्ड नं0-4 चनरौण।
28.	सुन्दरनगर	—	धनियारा	प्रधान पद श्री परमा राम पुत्र श्री फिथु, गांव करला, डा0 दोधरी त0 सुन्दरनगर।	—	—
29.	सुन्दरनगर	—	चमुखा	—	—	श्री देवी राम पुत्र हेतु, गांव गुगाहण, डा0 चमुखा, तहसील सुन्दरनगर वार्ड नं0 सव्याहण-1
30.	सुन्दरनगर	—	बटवाड़ा	—	—	श्री साजु राम पुत्र श्री जोधल राम, गांव सावल, डाकघर बटवाड़ा, तहसील सुन्दरनगर जिला मण्डी। वार्ड नं0-2, जरल-2.
31.	सुन्दरनगर	—	बटवाड़ा	—	—	श्री शिव राम पुत्र श्री पोहलो राम, गांव काण्ठी, डाकघर बटवाड़ा, त0 सुन्दरनगर, वार्ड नं0-7, पजोलर-2.

जे0 पी0 सिंह,
उपायुक्त,
मण्डी, जिला मण्डी (हि0 प्र0)।

कारण बताओ नोटिस

मण्डी, 27 जून, 2003

क्रमांक पी० सी० एन०-एम० एन० डी०/2001-4032-36.—यह कि ग्राम मभा महीग, विकास खण्ड करसोग, जिला मण्डी को दिनांक 6-4-2003 को सम्पन्न हुई बैठक में प्रस्ताव संख्या 2 पारित किया गया, जिसके अन्तर्गत श्री गोविन्द राम, प्रधान, ग्राम पंचायत महीग द्वारा विकास कार्यों में सरकारी धन राशि का छलहरण व दुरुपयोग किया गया है, का उल्लेख किया गया है। जिसकी जांच पंचायत निरीक्षक, करसोग तथा विकास खण्ड कार्यों का मूल्यांकन कनिष्ठ अभियन्ता, विकास खण्ड करसोग द्वारा किया गया। जांच रिपोर्ट व मूल्यांकन रिपोर्ट पर खण्ड विकास अधिकारी करसोग द्वारा दी गई टिप्पणियों अनुसार निम्न अनियमितताएं प्रकाश में आई हैं :—

1. निर्माण कार्य चार दिवारी चवासीगढ़ :

1. इस कार्य हेतु मांसद निधि से मु० 75,000/- रुपये की राशि उपायुक्त मण्डी द्वारा स्वीकृत की गई थी। इस राशि में से मु० 30,000/- रुपये की राशि ग्राम पंचायत महीग को प्रथम किस्त के रूप में अदा की गई। कनिष्ठ अभियन्ता द्वारा किए गए कार्य के मूल्यांकन करने पर पाया गया कि इस राशि में से केवल मु० 14,147/- रुपये का कार्य ही कार्य स्थल पर किया गया है। जिसमें स्थल पर मौजूद सामग्री जैसे रेत आदि भी शामिल है। पंचायत निरीक्षक द्वारा प्रस्तुत जांच रिपोर्ट के अनुसार उक्त निर्माण कार्य के अन्तर्गत मु० 29,260/- रुपये के व्यय सम्बन्धी प्रविष्टियां पंचायत द्वारा संचारित रोकड़ में की गई हैं। इस प्रकार कनिष्ठ अभियन्ता द्वारा निर्माण कार्य के लिए गए मूल्यांकन से मु० 15,113/- रुपये अधिक व्यय दर्शा कर इस राशि का अर्थात् मु० 15,113/- रुपये की अनुदान राशि का छलहरण किया गया है।

2. पंचायत निरीक्षक द्वारा की गई छानबीन से यह यथ्य प्रकट होता है कि मस्ट्रोल नं० 36 में जो मजदूर दर्शाए गए हैं, उनमें से केवल एक मजदूर ने इस कार्य में कार्य किया है। इस मस्ट्रोल द्वारा मु० 11,110/- रुपये की धन राशि वितरित की गई है। पंचायत निरीक्षक की रिपोर्ट से यह तथ्य भी उजागर होता है कि इस निर्माण कार्य में जिन लोगों ने वास्तव में कार्य किया है, उनके नाम इस मस्ट्रोल में नहीं दर्शाए गए हैं। यह गम्भीर अनियमितता का मामला है। इस प्रकार उक्त कार्य के लिए जारी मस्ट्रोल संख्या 36 को विश्वसनीयता संदिग्ध हो जाती है जिसके फलस्वरूप उक्त मस्ट्रोल के अन्तर्गत मु० 11,110/- रुपये की सम्पूर्ण राशि की अदायगी सन्देहपद जान पड़ती है।

3. इसी कार्य पर मु० 8,000/- रुपये का व्यय बाबत 10 चट्टे पत्थरों के तुड़ान व ढुलवान हेतु अदायगी श्री उधम राम सुपुत्र श्री जान चन्द, ग्राम समाच को की गई दर्शाई गई है। जांच अगसर पर श्री उधम सिंह ने अपने ब्यान में स्पष्ट किया है कि न तो उन्होंने पत्थरों का तुड़ान व ढुलवान किया है तथा न ही उसके द्वारा कार्य हेतु पंचायत द्वारा अदा राशि ही प्राप्त की है। यह पुनः गम्भीर अनियमितता होने के साथ-साथ मु० 8,000/- रुपये की राजकीय राशि के छलहरण का स्पष्ट मामला बनता है।

4. इसके अतिरिक्त इस कार्य पर 25 बैग सीमेंट का क्रय तथा इसकी लोडिंग हेतु मु० 4150/- रुपये का व्यय दर्शाया गया है यह सीमेंट भी सम्बन्धित कार्य में इस्तेमाल नहीं किया गया है। सीमेंट करसोग से क्रय किया गया दर्शाया गया है, परन्तु करसोग से निर्माण स्थल अथवा पंचायत मुख्यालय तक किसी भी वाहन द्वारा ढुलवान का कोई व्यय नहीं दर्शाया गया है। जांच अवसर पर भी जांच अधिकारी को स्टोर में सीमेंट उपलब्ध नहीं दर्शाया गया है। जिससे यही प्रतीत होता है कि 25 बैग सीमेंट क्रय नहीं किया गया है। फिर भी इसके क्रय सम्बन्धी व्यय की प्रविष्टियां रोकड़ में की गई हैं। प्रधान, ग्राम पंचायत का ब्यान विश्वसनीय नहीं है कि उन्होंने यह सीमेंट भूतपूर्व प्रधान श्री चेत राम को उधार दिया हुआ है। इस प्रकार प्रथम दृष्टि में यह प्रधान द्वारा मु० 4,150/- रुपये की राशि के छलहरण का गम्भीर मामला बनता है।

अतः मैं, जे० पी० सिंह (भा० प्र० से०), उपायुक्त, मण्डी, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 145 तथा हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (सामान्य) नियम, 1997 के नियम 122 के अन्तर्गत प्राप्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्री गोविन्द राम, प्रधान, ग्राम पंचायत महीश, विकास खण्ड करसोग, जिला मण्डी को एतद्द्वारा निर्देश देता हूँ कि व उपरोक्त अनुसार वर्णित आरोपी/निरीक्षण आपत्तियों के सम्बन्ध में अपना स्पष्टीकरण इस कारण वनाओ नोटिस की प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर-भीतर अधो-हस्ताक्षरी के कार्यालय में लिखित रूप में प्रस्तुत करें। नियत अवधि के भीतर स्पष्टीकरण प्राप्त न होने की दशा में यह माना जाएगा कि उन्हें अपने पक्ष में कुछ नहीं कहना है तथा इस सम्बन्ध में अधिनियम व नियमों के अन्तर्गत कार्यवाही आरम्भ कर दी जाएगी।

मण्डी, 27 जून, 2003

संख्या पी० सी० एन०-एम० एन० डी/2001-4037-41.—यह कि ग्राम पंचायत समीण विकास खण्ड सुन्दरनगर जिला मण्डी हिमाचल प्रदेश द्वारा किये गये विकास कार्यों की जांच/निरीक्षण खण्ड विकास अधिकारी, सुन्दरनगर, सहायक अभियन्ता (विकास) सुन्दरनगर तथा विकास खण्ड के कनिष्ठ अभियन्ता द्वारा मौके पर की गई। विकास कार्यों की जांच एवं मूल्यांकन रिपोर्ट अनुसार श्रीमती रक्षा देवी, प्रधान, ग्राम पंचायत समीण, विकास खण्ड सुन्दरनगर द्वारा निम्न विकास कार्यों में सरकारी धन राशि का छलहरण/दुरुपयोग किया गया है :—

1. गोर में पैदल पुल का निर्माण :

इस निर्माण कार्य हेतु मु० 80,000/- रुपये की राशि बी० ए० एस० पी० शीर्ष के अन्तर्गत स्वीकृत हुई थी, तथा मु० 70,000/- रुपये की राशि तीन किस्तों में ग्राम पंचायत को अदा की गई थी प्रधान ग्राम पंचायत समीण द्वारा प्रस्तुत की गई व्यय सूची में मु० 52,338/- रुपये का व्यय दर्शाया गया है। इस कार्य का मूल्यांकन विकास खण्ड के कनिष्ठ अभियन्ता द्वारा किया गया तथा जिसे सहायक अभियन्ता (विकास) द्वारा सत्यापित किया गया। मूल्यांकन रिपोर्ट अनुसार इस कार्य में मु० 25,659/- रुपये का ही व्यय हुआ है। कार्य स्थल पर मु० 6,000/- रुपये की रेत व बजरी पाई गई है, जिससे कार्य पर कुल मु० 31,659/- रुपये का व्यय हुआ है। अतः प्रधान द्वारा मु० 20,679/- रुपये की धन राशि का छलहरण किया गया है।

2. निर्माण कार्य पक्का रास्ता सलवाणा से खनोखर तक :

इस निर्माण कार्य हेतु मु० 70,000/- रुपये की धन राशि शीर्ष बी० ए० एस० पी० के अन्तर्गत स्वीकृत हुई थी। खण्ड विकास अधिकारी द्वारा दो किस्तों मु० 50,000/- रुपये की राशि ग्राम पंचायत को अदा की जा चुकी थी। प्रधान ग्राम पंचायत समीण द्वारा प्रस्तुत व्यय सूची में मु० 38,272/- रुपये की राशि व्यय दर्शाई गई है, परन्तु कनिष्ठ अभियन्ता विकास खण्ड सुन्दरनगर द्वारा किये गये कार्य के मूल्यांकन अनुसार मु० 24,829/- रुपये की राशि का व्यय ही हुआ है। अतः प्रधान द्वारा इस निर्माण कार्य में मु० 13,443/- रुपये का लहर्ण किया है।

3. निर्माण कार्य पक्का रास्ता निक्का राम के घर से धरवाड़ा बावड़ी तक।

इस निर्माण कार्य हेतु मु० 25,000/- रुपये की राशि शीर्ष एस० जी० आर० वाई० स्ट्रीम-1 (जिला परिषद) के अन्तर्गत स्वीकृत की गई थी, जिसमें से मु० 12,000/- रुपये की राशि पंचायत को वतौर अग्रिम रूप में अदा की गई थी। प्रधान ग्राम पंचायत समीण द्वारा प्रस्तुत व्यय सूची में मु० 24,305/- रुपये की राशि व्यय दर्शाई गई है। ग्राम पंचायत के तकनीकी सहायक द्वारा किये गये इस कार्य का मूल्यांकन मु० 14,351/- रुपये रिपोर्ट में दर्शाया गया है, जिसे विकास खण्ड के कनिष्ठ अभियन्ता द्वारा सत्यापित किया गया है। अतः प्रधान द्वारा इस कार्य में मु० 9,954/- रुपये की धन राशि का छलहरण किया गया है।

अतः मैं, जे० पी० सिंह (भा० प्र० से०) उपायुक्त, मण्डी जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम 1994 की धारा 145 तथा हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (सामान्य) नियम 1997 के नियम 142 के अन्तर्गत प्राप्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्रीमती रक्षा देवी, प्रधान ग्राम पंचायत, समीप विकास खण्ड सुन्दरनगर, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश को एतद द्वारा निर्देश देता हूँ कि वे उपरोक्त अनुसार वर्णित आरोपों/निरीक्षण आपत्तियों के सम्बन्ध में अपना स्पष्टीकरण इस कारण वताओ नोटिस की प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर-भीतर अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में लिखित रूप से प्रस्तुत करें। नियत अवधि में स्पष्टीकरण प्राप्त न होने की दशा में यह माना जायेगा कि उन्हें अपने पक्ष में कुछ भी नहीं कहना है, तथा इस सम्बन्ध में अधिनियम व नियमों अनुसार कार्यवाही आरम्भ कर दी जायेगी।

जे० पी० सिंह,
उपायुक्त मण्डी, जिला मण्डी,
हिमाचल प्रदेश।

